आचार्य प्रशांत का ब्रिटेन दौरा: कैम्ब्रिज से हाउस ऑफ लॉर्ड्स तक जलवायु संकट की आंतरिक जड़ पर सवाल

द्वारा राष्ट्र प्रेस · 5 जून 2026

शेयर करें:

लेख सुनें ऑडियो सुनने के लिए तैयार Lekha (hi-IN) 1×

हमें फॉलो करें

लोकप्रिय पोस्ट

विप्रो में 'कॉरपोरेट जिहाद' के आरोप: वीएचपी प्रवक्ता विनोद बंसल ने राष्ट्रीय जांच की मांग की

18 मिनट पहले

फ्रेंच ओपन 2026 फाइनल: ज्वेरेव बनाम कोबोली — दोनों के सामने पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का मौका

18 मिनट पहले

राज्यसभा चुनाव 2026: कांग्रेस ने भूपेश बघेल और अजय शर्मा को झारखंड का पर्यवेक्षक नियुक्त किया

18 मिनट पहले

सारांश

तीस COP सम्मेलनों के बावजूद कार्बन उत्सर्जन बढ़ता रहा — आचार्य प्रशांत ब्रिटेन के शीर्ष मंचों पर यही असुविधाजनक प्रश्न उठा रहे हैं। कैम्ब्रिज से हाउस ऑफ लॉर्ड्स और आगे ऑक्सफोर्ड तक, उनका तर्क है कि जलवायु संकट की जड़ तकनीकी नहीं, मानवीय कामना में है।

मुख्य बातें

01 आचार्य प्रशांत विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 पर ब्रिटेन के प्रतिष्ठित मंचों पर जलवायु संकट की आंतरिक जड़ पर तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं।

02 30 मई को कैम्ब्रिज यूनियन में एक घंटे का सत्र दो दिनों में लगभग तीन सत्रों तक विस्तृत हो गया।

03 1 जून को NISAU आयोजित संवाद में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य लॉर्ड क्रिश रावल के साथ जलवायु विषय पर गहन चर्चा हुई।

04 आगामी सत्र ऑक्सफोर्ड , LSE , किंग्स कॉलेज लंदन और लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक में निर्धारित हैं।

05 आचार्य प्रशांत का गीता मिशन 100 से अधिक देशों में डेढ़ लाख से अधिक नामांकित छात्रों तक पहुंचता है।

06 वॉटकिन्स माइंड बॉडी स्पिरिट सूची 2026 में उन्हें विश्व के शीर्ष 100 आध्यात्मिक प्रभावशाली व्यक्तियों में 20वाँ स्थान मिला।

पूरी खबर

भारतीय दार्शनिक और लेखक **आचार्य प्रशांत** विश्व पर्यावरण दिवस, **5 जून 2026** के अवसर पर ब्रिटेन के सर्वाधिक प्रतिष्ठित बौद्धिक और नीति-निर्माण मंचों पर एक ऐसा तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं जो पारंपरिक जलवायु विमर्श से मौलिक रूप से भिन्न है — कि पर्यावरण संकट की जड़ तकनीकी नहीं, बल्कि मानवीय कामना में है। **कैम्ब्रिज यूनियन**, **हाउस ऑफ लॉर्ड्स** के एक सदस्य के साथ संवाद, और **मिडिलसेक्स यूनिवर्सिटी लंदन** में सार्वजनिक सत्रों से होते हुए यह दौरा **ऑक्सफोर्ड**, **लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स** (LSE), **किंग्स कॉलेज लंदन** और **लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक** तक जारी रहेगा।

कैम्ब्रिज में एक घंटे का सत्र तीन सत्रों में बदला

प्रशांत किशोर का बिहार की जनता पर कड़ा प्रहार: 'लाल-हरे गमछे पर वोट दिया, अब भुगतो'

18 मिनट पहले

बिहार एमएलसी चुनाव: जेडीयू ने महिला, अति पिछड़ा और पिछड़ा वर्ग को दिया प्रतिनिधित्व

19 मिनट पहले

श्रेणियां

देश की खबरें
विश्व समाचार
व्यापार समाचार
खेल समाचार
मनोरंजन समाचार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी समाचार
स्वास्थ्य समाचार

शहर की धड़कन

आज की ख़बरें, शहर के अनुसार।

मुंबई · दिल्ली · बेंगलुरु · चेन्नई · कोलकाता · हैदराबाद · पुणे · अहमदाबाद · जयपुर · लखनऊ · चंडीगढ़ · कोच्चि

सभी शहर देखें ›

न्यूज़लेटर

Subscribe to our newsletter to receive the latest news and updates

Enter your email

30 मई 2026 को **कैम्ब्रिज यूनियन** में निर्धारित एक घंटे की फायरसाइड चैट अंततः दो दिनों में लगभग तीन सत्रों तक विस्तृत हो गई। **कैम्ब्रिज जज बिजनेस स्कूल** के सेंटर फॉर इंडिया एंड ग्लोबल बिजनेस के निदेशक **प्रोफेसर जयदीप प्रभु** के संचालन में हुई इस चर्चा में अर्थशास्त्री, एमबीए छात्र, व्यापार जगत के विद्वान और नीति-निर्माता शामिल थे।

यह आयोजन **कैम्ब्रिज इंडिया बिजनेस डायलॉग** के अंतर्गत हुआ, जो भारत और ब्रिटेन के व्यापार, नीति और शिक्षा जगत की शीर्ष हस्तियों को एकत्र करता है। इस संस्करण में एक भारतीय दार्शनिक की चर्चा को केंद्रीय स्थान मिलना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि वैश्विक नीति-कक्षों में उठने वाले प्रश्न अब केवल तकनीकी नहीं रहे।

हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य के साथ जलवायु संवाद

1 जून को **नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड अलुमनाई यूनियन यूके** (NISAU) द्वारा आयोजित एक संचालित संवाद में आचार्य प्रशांत ने **लॉर्ड क्रिश रावल** के साथ भाग लिया। **जनवरी 2025** में हाउस ऑफ लॉर्ड्स में नियुक्त आजीवन सदस्य और फेथ इन लीडरशिप के संस्थापक-निदेशक लॉर्ड रावल, ब्रिटिश सार्वजनिक जीवन में ब्रिटिश भारतीय समुदाय की प्रमुख आवाज़ों में गिने जाते हैं।

दोनों के बीच जलवायु और पर्यावरण संकट के कई पहलुओं पर गहन चर्चा हुई, जिसे ब्रिटेन भर से आए श्रोताओं ने देखा। **मिडिलसेक्स यूनिवर्सिटी लंदन** में आयोजित सार्वजनिक व्याख्यानों में विभिन्न पृष्ठभूमियों के श्रोता एकत्र हुए — न केवल भारतीय मूल के, बल्कि ब्रिटेन की व्यापक जनता भी।

जलवायु तर्क: तीस कॉन्फ्रेंस, बढ़ता कार्बन

हर मंच पर आचार्य प्रशांत ने एक ही तथ्य से अपनी बात आरंभ की — **1992** में **रियो दे जेनेरियो** में अपनाए गए समझौते के बाद से अब तक **तीस कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज** (COP) हो चुके हैं और वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड निर्बाध रूप से बढ़ती रही है।

कैम्ब्रिज के भरे सभागार में उन्होंने कहा, 'बाहर से हम इतिहास के किसी भी काल की तुलना में अधिक समृद्ध और शक्तिशाली हैं। भीतर से हम अभी भी लगभग आदिमानव हैं।' उनके अनुसार सभ्यता के साधन अपरिमित रूप से बढ़ चुके हैं, किंतु उन साधनों को चलाने वाली कामना की कभी परीक्षा नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'समय तो पहुंचने के लिए चाहिए, दौड़ने के लिए चाहिए। तीन दशकों के जलवायु सम्मेलन तेज दौड़ने के अभ्यास रहे हैं, जबकि संकट की आंतरिक जड़ अछूती बनी रही।'

आगामी कार्यक्रम और वैश्विक पहुंच

आगामी सत्रों में **ऑक्सफोर्ड**, **लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स** और **किंग्स कॉलेज लंदन** — तीनों ने जलवायु विषय पर केंद्रित सत्रों के लिए आमंत्रण दिया है। इसके अतिरिक्त **लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक** में भी एक सत्र निर्धारित है, जो यूरोप का सबसे बड़ा स्वतंत्र जलवायु सम्मेलन है और जिसमें दुनिया भर के नीति-निर्माता, वैज्ञानिक, व्यापार जगत के नेता और नागरिक समाज के प्रतिनिधि एकत्र होते हैं।

आचार्य प्रशांत का **गीता मिशन 100 से अधिक देशों** में **डेढ़ लाख से अधिक** नामांकित छात्रों तक पहुंचता है, जो उपनिषदों, भगवद्गीता और अन्य दार्शनिक परंपराओं पर आधारित एक संरचित, परीक्षा-युक्त कार्यक्रम के माध्यम से अध्ययन करते हैं। **आईआईटी दिल्ली** और **आईआईएम अहमदाबाद** के पूर्व छात्र और **प्रशांतअद्वैत फाउंडेशन** के संस्थापक आचार्य प्रशांत ने **अगस्त 2025** से **अप्रैल 2026** के बीच भारत के **18 शहरों** में **200 से अधिक** सत्र आयोजित किए, जिनमें **12 से अधिक आईआईटी परिसरों**, **आईआईएससी बेंगलुरु**, **आईआईएम लखनऊ**, **आईआईएम बेंगलुरु** और **बीआईटीएस पिलानी** शामिल रहे।

उनकी पुस्तक **ट्रुथ विदाउट अपॉलजी**, **हार्परकॉलिन्स** द्वारा प्रकाशित, और **द पायनियर**, **डेक्कन हेराल्ड** तथा **द संडे गार्जियन** में उनके साप्ताहिक स्तंभ इसी विचार को मुख्यधारा के सार्वजनिक जीवन तक पहुंचाते हैं। **वॉटकिन्स माइंड बॉडी स्पिरिट सूची 2026** में उन्हें विश्व के शीर्ष 100 आध्यात्मिक रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों में **20वाँ स्थान** प्राप्त हुआ है। यह दौरा अभी जारी है और आने वाले सत्रों में यह संवाद और व्यापक होने की संभावना है।

संपादकीय दृष्टिकोण

संपादकीय

आंतरिक है — ब्रिटेन के नीति-कक्षों में नया नहीं है, लेकिन

SUBSCRIBE

टैग

मोदी समाचार
आईपीएल 2025
सेंसेक्स समाचार
टेक्नोलॉजी समाचार
स्वास्थ्य समाचार
खेल समाचार
राहुल गांधी समाचार

> *इसे इतने संस्थागत मंचों पर इतनी स्वीकृति मिलना उल्लेखनीय है। असली प्रश्न यह है कि क्या यह दार्शनिक विमर्श ठोस नीतिगत बदलाव में तब्दील हो सकता है, या यह विचार-उत्तेजक व्याख्यानों की श्रेणी तक सीमित रहेगा। तीस COP के बाद भी कार्बन वक्र नहीं मुड़ा — यह तथ्य उनके तर्क को बल देता है, लेकिन 'कामना की परीक्षा' को नीति में अनुवाद करने का रोडमैप अभी स्पष्ट नहीं है।*

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

आचार्य प्रशांत का ब्रिटेन दौरा किस विषय पर केंद्रित है?

यह दौरा जलवायु संकट की आंतरिक जड़ पर केंद्रित है — आचार्य प्रशांत का तर्क है कि पर्यावरण संकट केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि मानवीय कामना और उपभोग की प्रवृत्ति से जन्मी समस्या है। वे कैम्ब्रिज, हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य के साथ संवाद, ऑक्सफोर्ड, LSE, किंग्स कॉलेज लंदन और लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक सहित कई मंचों पर यही तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं।

कैम्ब्रिज यूनियन में आचार्य प्रशांत का सत्र कैसा रहा?

30 मई 2026 को कैम्ब्रिज यूनियन में निर्धारित एक घंटे का सत्र श्रोताओं के अनवरत प्रश्नों के कारण दो दिनों में लगभग तीन सत्रों तक विस्तृत हो गया। प्रोफेसर जयदीप प्रभु के संचालन में हुई इस चर्चा में अर्थशास्त्री, एमबीए छात्र और नीति-निर्माता शामिल थे।

आचार्य प्रशांत ने जलवायु सम्मेलनों पर क्या कहा?

उन्होंने कहा कि 1992 में रियो दे जेनेरियो समझौते के बाद से तीस COP हो चुके हैं, फिर भी वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड बिना रुके बढ़ती रही है। उनके अनुसार ये सम्मेलन 'तेज दौड़ने के अभ्यास' रहे हैं, जबकि संकट की आंतरिक जड़ — मानवीय कामना — अछूती बनी रही।

आचार्य प्रशांत कौन हैं और उनकी वैश्विक पहुंच कितनी है?

आचार्य प्रशांत आईआईटी दिल्ली और आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व छात्र और प्रशांतअद्वैत फाउंडेशन के संस्थापक हैं। उनका गीता मिशन 100 से अधिक देशों में डेढ़ लाख से अधिक नामांकित छात्रों तक पहुंचता है और वॉटकिन्स माइंड बॉडी स्पिरिट सूची 2026 में उन्हें विश्व के शीर्ष 100 आध्यात्मिक प्रभावशाली व्यक्तियों में 20वाँ स्थान मिला है।

आचार्य प्रशांत के ब्रिटेन दौरे के आगामी कार्यक्रम कौन से हैं?

ऑक्सफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स और किंग्स कॉलेज लंदन में जलवायु विषय पर केंद्रित सत्र निर्धारित हैं। इसके अलावा लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक में भी एक सत्र होगा, जो यूरोप का सबसे बड़ा स्वतंत्र जलवायु सम्मेलन है।

टैग: Acharya Prashant UK tour climate crisis 2026 | Cambridge Union India philosophy climate talk | Acharya Prashant Oxford LSE Kings College London | London Climate Action Week Indian philosopher | Acharya Prashant Gita Mission global reach | आचार्य प्रशांत ब्रिटेन दौरा | जलवायु संकट दार्शनिक दृष्टिकोण | कैम्ब्रिज यूनियन भारतीय दार्शनिक | विश्व पर्यावरण दिवस 2026 | लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक